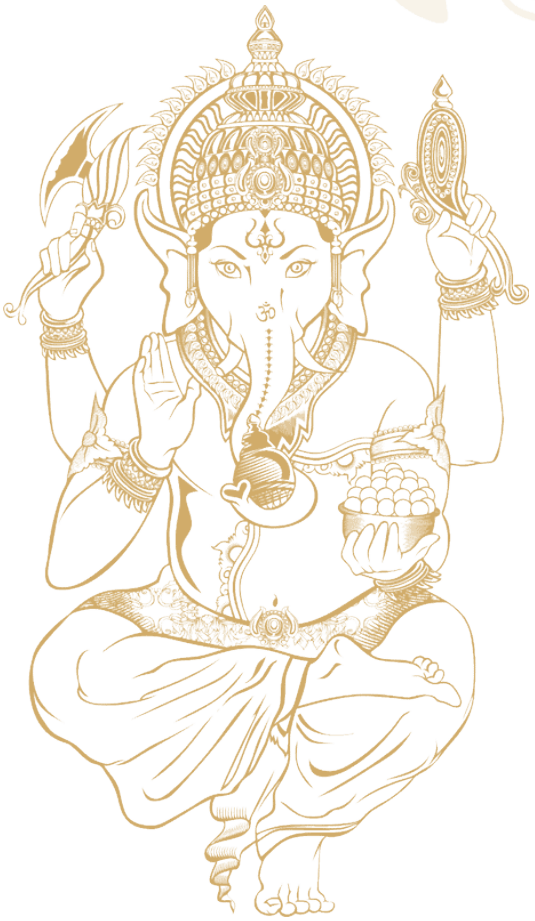

Mr.Manoj kumar Soni

04 Dec 1975

09:10 PM

Hanumangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121151508

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/12/1975**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:10:00 घंटे**
इष्ट	34:55:33 घटी
स्थान	**Hanumangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:33:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:37:24 घंटे
वेलान्तर	00:10:02 घंटे
साम्पातिक काल	01:28:43 घंटे
सूर्योदय	07:11:46 घंटे
सूर्यास्त	17:33:18 घंटे
दिनमान	10:21:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:20:26 वृश्चिक
लग्न के अंश	08:10:33 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:10:33	305:31:29	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	18:20:26	01:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	09:08:46	13:36:45	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल	व		मिथु	03:38:04	00:21:38	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	21:32:36	01:34:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मीन	21:16:58	00:01:14	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			तुला	03:46:03	01:08:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कर्क	09:05:15	00:02:11	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	28:12:09	00:02:56	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	28:12:09	00:02:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			तुला	11:36:52	00:03:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप			वृश्चि	18:00:06	00:02:16	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	17:42:18	00:01:22	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			मेष	00:26:05	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:27

लग्न-चलित

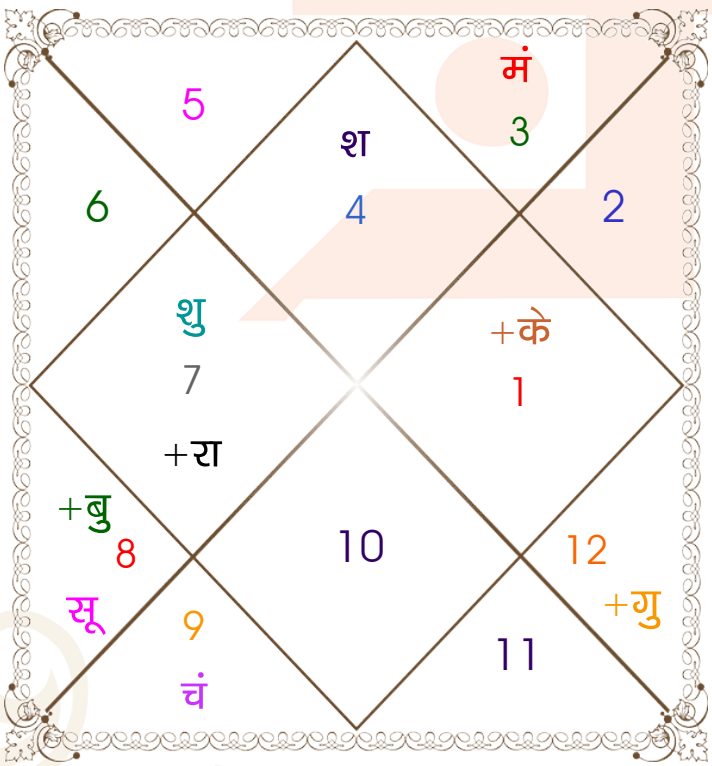

चन्द्र कुंडली

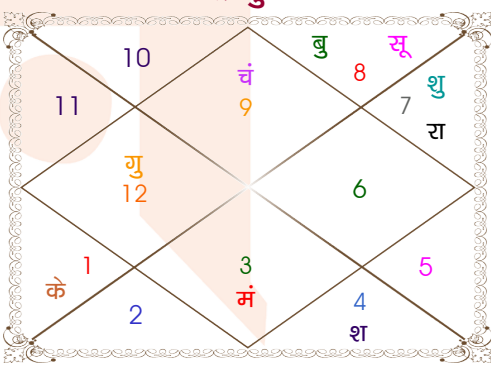

नवमांश कुंडली

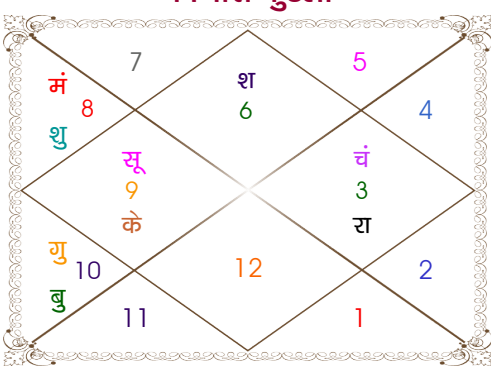

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 2 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/12/1975		14/02/1978		14/02/1998		15/02/2004		14/02/2014	
14/02/1978		14/02/1998		15/02/2004		14/02/2014		14/02/2021	
	00/00/0000	शुक्र	16/06/1981	सूर्य	04/06/1998	चंद्र	15/12/2004	मंगल	13/07/2014
	00/00/0000	सूर्य	16/06/1982	चंद्र	04/12/1998	मंगल	16/07/2005	राहु	01/08/2015
	00/00/0000	चंद्र	15/02/1984	मंगल	10/04/1999	राहु	15/01/2007	गुरु	07/07/2016
	00/00/0000	मंगल	16/04/1985	राहु	04/03/2000	गुरु	16/05/2008	शनि	16/08/2017
	00/00/0000	राहु	16/04/1988	गुरु	21/12/2000	शनि	15/12/2009	बुध	13/08/2018
	04/12/1975	गुरु	16/12/1990	शनि	03/12/2001	बुध	17/05/2011	केतु	09/01/2019
गुरु	09/01/1976	शनि	14/02/1994	बुध	10/10/2002	केतु	16/12/2011	शुक्र	10/03/2020
शनि	17/02/1977	बुध	15/12/1996	केतु	15/02/2003	शुक्र	16/08/2013	सूर्य	16/07/2020
बुध	14/02/1978	केतु	14/02/1998	शुक्र	15/02/2004	सूर्य	14/02/2014	चंद्र	14/02/2021

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/02/2021		15/02/2039		15/02/2055		14/02/2074		15/02/2091	
15/02/2039		15/02/2055		14/02/2074		15/02/2091		00/00/0000	
राहु	28/10/2023	गुरु	04/04/2041	शनि	17/02/2058	बुध	13/07/2076	केतु	14/07/2091
गुरु	23/03/2026	शनि	16/10/2043	बुध	27/10/2060	केतु	10/07/2077	शुक्र	12/09/2092
शनि	27/01/2029	बुध	21/01/2046	केतु	06/12/2061	शुक्र	10/05/2080	सूर्य	18/01/2093
बुध	16/08/2031	केतु	28/12/2046	शुक्र	05/02/2065	सूर्य	16/03/2081	चंद्र	19/08/2093
केतु	03/09/2032	शुक्र	28/08/2049	सूर्य	18/01/2066	चंद्र	16/08/2082	मंगल	15/01/2094
शुक्र	03/09/2035	सूर्य	16/06/2050	चंद्र	19/08/2067	मंगल	13/08/2083	राहु	02/02/2095
सूर्य	28/07/2036	चंद्र	16/10/2051	मंगल	27/09/2068	राहु	02/03/2086	गुरु	04/12/2095
चंद्र	27/01/2038	मंगल	21/09/2052	राहु	04/08/2071	गुरु	06/06/2088		00/00/0000
मंगल	15/02/2039	राहु	15/02/2055	गुरु	14/02/2074	शनि	15/02/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।